ई.एच.आई.–07 / बी.एच.आई.ई.–107

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य
(जुलाई 2017 और जनवरी 2018 सत्रों के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.आई.–07 / बी.एच.आई.ई.–107

पाठ्यक्रम शीर्षक :
आधुनिक यूरोप : मध्य अठारहवीं से मध्य बीसवीं शताब्दी तक

इतिहास संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

सत्रीय कार्य
2017–2018

कार्यक्रम कोड : बी.डी.पी.
पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.आई.–07/बी.एच.आई.ई–107

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि आपको बी.डी.पी. की कार्यक्रम दर्शिका में बताया गया है आपको इस ऐच्छिक पाठ्यक्रम के लिए एक अध्यापक जांच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा।

सत्र	जमा करने की तिथि	कहां जमा करना है
जुलाई 2017 सत्र के लिए	**31 मार्च 2018**	**पूरा किया हुआ सत्रीय कार्य अपने केंद्र के संयोजक के पास जमा करा दें।**
जनवरी 2018 सत्र के लिए	**30 सितम्बर 2018**	

सत्रीय कार्य में दिए गए प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़ लीजिए।

सत्रीय कार्य करने से पहले कुछ बातें :

सत्रीय कार्य करने से पहले ध्यान रखें : सामाजिक विज्ञानों में किसी भी तरह के लेखन के लिए चार सोपान आवश्यक हैं। ये हैं (क) योजना (ख) वस्तु चयन (ग) प्रस्तुतीकरण (घ) व्याख्या

क) योजना : आपसे क्या प्रश्न पूछा गया है और उत्तर में क्या लिखना है। इस पर विचार कीजिए। इकाइयों का ठीक तरह से अध्ययन कीजिए। कुछ अतिरिक्त जानकारी चाहें तो पुस्तकालय का उपयोग कीजिए।

यह देखें कि प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में देना है या 250 शब्दों में या सिर्फ 100 शब्दों में। बड़े प्रश्नों के लिए विवरणों के साथ व्याख्या भी करनी होगी। तीसरे प्रकार के प्रश्न के उत्तर में संगत विवरणों को संक्षेप में प्रस्तुत करें।

ख) वस्तु चयन : उत्तर देने के लिए आपको सही तथ्यों तथा विवरणों का चयन करना होगा। इसके लिए आप (i) अपनी इकाइयों से नोट्स लें (ii) तथ्यों को ध्यान से देखें और उत्तर के लिए अनावश्यक विवरण निकाल दें और (iii) उत्तर का पहला खाका लिख लें। इससे आपको यह समझने में मदद मिलेगी कि आप उत्तर में क्या सूचनाएं/विवरण प्रस्तुत करना चाहते हैं।

ग) **प्रस्तुतीकरण** : अब आप उत्तर का दूसरा खाका तैयार करें। इससे आप अपने विचारों को स्पष्टता से व्यक्त कर सकेंगे। आप यह भी जान सकेंगे कि दी गयी शब्द सीमा में आप बात कैसे कह सकते हैं।

उत्तर का तीसरा और अंतिम प्रारूप तैयार कीजिए और देखिए कि आपने सारी आवश्यक बातें अपेक्षित शब्द सीमा में प्रस्तुत की हैं या नहीं।

घ) **व्याख्या** : इतिहास लेखन में व्याख्या की प्रक्रिया का अनन्य स्थान है। आपकी योजना तथा वस्तु चयन में भी व्याख्या की झलक दिखाई देगी। संभवतः, शायद, क्योंकि, इसलिए, आदि शब्दों के साथ आपके वक्तव्य व्याख्या की झलक देते हैं। यहां आपको ध्यान रखना होगा कि आपके तथ्य आपके वक्तव्य का समर्थन करते हैं अथवा नहीं।

टिप्पणी : अगर आपके पास समय सीमित हो तो :

1) पहला प्रारूप तैयार करें, उत्तर की संगतता, शब्द सीमा, आदि पर ध्यान दें, और
2) अंतिम प्रारूप तैयार करें।

अब आप उत्तर लिखने के लिए तैयार होंगे।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य
ई.एच.आई.–07/बी.एच.आई.ई.–107
आधुनिक यूरोप : मध्य अठारहवीं से मध्य बीसवीं शताब्दी तक

पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.आई.–07
सत्रीय कार्य कोड : ई.एच.आई.–07/बी.एच.आई.ई.–107
ए.एस.टी./टी.एम.ए./2017–2018
पूर्णांक : 100

नोट : यह सत्रीय कार्य तीन भागों में विभाजित है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के निर्धारित अंक प्रश्न के सामने लिखे हैं।

भाग 1: प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. 1789 में फ्रांस में क्रांति के लिए उत्तरदायी कारकों की चर्चा कीजिए। **20**

अथवा

उन परिस्थितियों का वर्णन कीजिए जिनमें इंग्लैंड प्रथम औद्योगिक राष्ट्र बना।

2. आधुनिक यूरोप में कृषकों और मजदूरों की दशा पर एक नोट लिखिए। **20**

अथवा

जर्मनी में फासिज्म के उदय को आप कैसे व्याख्यायित करेंगे? जर्मन फ़ासिज्म की प्रकृति क्या थी?

भाग 2: प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए।

3. आधुनिक यूरोप में राष्ट्रवाद और राष्ट्र-राज्यों के विकास की चर्चा कीजिए। **12**

अथवा

यूरोप में ज्ञानोदय विचारकों के योगदान की चर्चा कीजिए।

4. जर्मनी में औद्योगिकीकरण का आरंभ कैसे हुआ? **12**

अथवा

शहरी विकास पर औद्योगिकीकरण के प्रभाव की संक्षेप में चर्चा कीजिए।

5. समाज द्वारा थोपी गई परंपरागत भूमिका को महिलाओं ने कैसे चुनौती दी? **12**

अथवा

इतावली राष्ट्रवाद की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि पर संक्षेप में नोट लिखिए।

6. ईसाई धर्मप्रचारकों और साम्राज्यवाद के बीच क्या संबंध थे? **12**

अथवा

द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात् आए सांस्कृतिक परिवर्तनों की संक्षेप में चर्चा कीजिए।

भाग 3: प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए।

7. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर लगभग 100-100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए :** **6+6**

(क) फ्रांस में जुलाई क्रांति
(ख) स्वास्थ्य के प्रति सजगता
(ग) लेनिन के साम्राज्यवाद संबंधी विचार
(घ) शीत युद्ध